ज्योतिष की उपयोगिता

भारतीय संस्कृति बहुत विलक्षण हैं। इसमें प्राचिन ऋषि-मुनियों द्वारा प्रतिपादित सिद्धांत पूर्णत: वैज्ञानिक एवं लोक कल्याण के लिए हैं। मनुष्य का कल्याण सुगमता तथा शीघ्रता से हो यहीं इसका कर्तव्य था। ऋषि-मुनियों ने जन्म से लेकर मृत्यु पर्यन्त तक होने वाले सारे संस्कारो को प्रतिपादित किया हैं। यह सोलह संस्कार कहलाए। इसके अलावा एक आम आदमी को जीवन में करने वाले कर्त्तव्य को बड़े वैज्ञानिक ढ़ंग से सुनियोजित किया। इन सबके पीछे उद्देश्य मनुष्य के कल्याण से था। शास्त्रों का अनुसरण करने से व उनके अनुसार जीवन पथ पर चलने से अंत: करण शुद्ध होता है जिससे कल्याण होता है।

ज्योतिष को वेदों का नेत्र कहा जाता है। कोई भी शुभ कार्य करना, जैसे हवन, पूजन, विवाह, गृहारंभ, गृहप्रवेश, इत्यादि में ज्योतिष द्वारा मुहुर्त विचार किया जाता है।

प्राचीनकाल में शिष्य गुरुकूल में रहकर चौंसठ विद्याओं की शिक्षा प्राप्त करते थे। इन विद्याओं में एक ज्योतिष शास्त्र भी था।

जीवन में कठिनाईयाँ व परेशानियों का कारण मनुष्य द्वारा किया गया प्रारब्ध कर्म हैं। अनुकूल अथवा प्रतिकूल परिस्थिति के आने में मुल कारण प्रारब्ध है। प्रारब्ध अनुकूल हो तो जन्म पत्रिका में ग्रह भी अनुकूल हो जाते हैं। और प्रारब्ध प्रतिकूल हो तो वे सब भी प्रतिकूल हो जाते हैं। यही बात ज्योतिष शास्त्र के बारे में समझनी चाहिए। इसका यह अर्थ नही है कि सब कुछ प्रारब्ध पर छोड़कर बैठ जाएँ। मनुष्य का कर्त्तव्य शास्त्र के अनुसार जीवन यापन करने से हैं। मनुष्य को प्रारब्ध के अनुसार जो

INSTITUTE OF VEDIC ASTROLOGY, Indore. Ph: 0731-4076613, 4076613. www.ivaindia.com

लेना व संचय रखना लाभदायक सिद्ध होगा। मनुष्य जीवन में अधिकाधिक सुख पाना चाहता है। यदि यह जानकारी पहले से प्राप्त हो जाये तो उसके अनुसार अपने मन, मस्तिष्क व कर्म के प्रति उसका स्वभाव उपयुक्त किया जा सकता हैं। उदाहरण के लिए मान लीजिए कि किसी मनुष्य की जन्म पत्रिका के अनुसार उसे साझेदारी से हानि हो सकती है। अब यदि इस जानकारी का उपयोग वह मनुष्य करेगा तो उसे सुख प्राप्त होगा या हानि से बचाव होगा।

इस प्रकार ज्योतिष विद्या द्वारा दूर दृष्टि से मनुष्य अपने जीवन में होने वाली घटनाओं का पूर्व अवलोकन कर, अपने कर्म को उस अनुसार कर अत्यधिक लाभ प्राप्त कर सकता है।

INSTITUTE OF VEDIC ASTOLOGY, Indore. ☎: 0731-4076612, 4076613. www.ivaindia.com